

**विसंगत वि.** (तत्.) जिसके साथ संगति न हो, बेमेल, असंगत संगी. (दो स्वर) जिनकी ध्वनि एक साथ सुने जाने पर अरुचिकर लगती है।

**विसंगति स्त्री.** (तत्.) संगीत रहित होने अथवा परस्परमेलकेअभाव की स्थिति 2. अप्रासंगिकता, असंबद्धता प्रशा. एक ही व्यक्ति अथवा स्रोत द्वारा विषय विशेष पर दिए गए एकाधिक वक्तव्यों में परस्पर मेल का न होना।

**विसंगति परीक्षण पुं.** (तत्.) मनो. बालबुद्धि परीक्षण का एक प्रकार जिसमें परीक्षाधीन बच्चे से वाक्यों अथवा चित्रों की असंगतता अथवा बेतुकेपन को बताने के लिए कहा जाता है।

**विसंग्रहण पुं.** (तत्.) अधिक मुनाफाखोरी की इच्छा से किए गए अन्न आदि के संग्रह की वृत्ति को समाप्त करना।

**विसंबंध पुं.** (तत्.) 1. दो वस्तुओं अथवा तथ्यों में प्रत्याशित संबंध का अभाव 2. अलगाव अथवा अजनबीपन की अनुभूति 3. वैमनस्य, मनमुटाव मनो. एक ऐसी मानसिक अवस्था जिसके कारण परिचित व्यक्ति अथवा परिस्थितियाँ अपरिचित सी लगे।

**विसंयोजन पुं.** (तत्.) 1. संयोजक का अभाव 2. विशेष प्रकार का संयोजन जीव., कृषि. युग्म विकल्पी लक्षण प्रथम संतानीय पीढ़ी में प्रकट न होने पर भी आगामी पीढ़ियों में व्यक्त हो जाना जैसे- मटर की ठिगनी किस्म का लंबी प्रभावी किस्म के प्रभाव से अव्यक्त रह जाने पर भी अगली पीढ़ी में व्यक्त हो जाना।

**विसंवाद पुं.** (तत्.) 1. छल, धोखा 2. प्रतिजाभंग 3. नैराश्य 4. असहमति 5. विरोध, खंडन 6. सादृश्य, एकरूपता, मेल।

**विसंवादिता पुं.** (तत्.) विसंगति, बेमेलपन।

**विसंवादी वि.** (तत्.) 1. निराश करने वाला, धोखा देने वाला, धोखेबाज, छली 2. असंगत, विरोधात्मक, असम्मत 3. संगी. संगीत में वह स्वर जो वादी स्वर से मेल नहीं खाता, राग में कभी-कभी प्रयुक्त होने वाला 'स्वर'।

**विसदृश वि.** (तत्.) जो (प्रासंगिक वस्तु आदि के) समदृश्य न हो, भिन्न प्रकार का, असदृश, असमान।

**विसदृशता स्त्री.** (तत्.) असमानता, भिन्नता।

**विसमता स्त्री.** (तत्.) जिसमें समानता न हो, असमानता, विषमता, प्रतिकूलता, भिन्नता, वैषम्य। प्रयो. 'विषमता की पीढ़ा से व्यस्त हो रहा स्पंदित विश्व महान' -कायायनी (श्रद्धा सर्ग)

**विसम्मत वि.** (तत्.) जिसका मत दूसरों से इतर हो, भिन्न मत का, असहमतिपूर्ण।

**विसरण पुं.** (तत्.) 1. प्रसार, विस्तार, फैलाव 2. गतिशीलता 3. बहाव भौ. प्रकाश, ध्वनि आदि की तरंगों का किसी वस्तु द्वारा बाधित होने पर फैल जाना। diffusion

**विसरितचित्र पुं.** (तत्.) 1. सिर से कंधे तक का चित्र जिसके किनारे स्पष्ट न हों 2. कोई सुंदर लघु चित्र।

**विसर्ग पुं.** (तत्.) 1. विसर्जन, त्याग, छोड़ना 2. मल-मूत्र का त्याग, उत्सर्जन 3. प्रस्थान 4. मोक्ष, मुक्ति 5. दीप्ति, प्रभा 6 सूर्य का दक्षिण भाषा. संस्कृत की पारिभाषिक शब्दावली में (क) अघोष 'ह' और (ख) इसके लिए प्रयुक्त चिह्न (:). उदा. प्रायः, पुनः टि. इसका उच्चारण स्वर रहित 'ह' के समान है, अतः यह अघोष है, तात्पर्य यह कि इसके बाद स्वर का उच्चारण नहीं होता, नमः का उच्चारण है 'नमह'।

**विसर्जन पुं.** (तत्.) 1. परित्याग, त्याग, मल का त्याग 2. दान, भेंट 3. देवता आदि की विदाई, आह्वान का उलटा 4. बरखास्तगी 5. वृषोत्सर्ग, साँड़ को दागकर छोड़ देना भौ. विद्युत आवेश आदि को/का कम करना/होना या हट जाना discharge धर्म. धार्मिक समारोह की समाप्ति पर देव-प्रतिमा को जल में प्रवाहित कर देना जैसे- गणेशोत्सव के बाद गणपति या दुर्गा पूजा के बाद दुर्गा प्रतिमा का समारोहपूर्वक समुद्र नदी आदि में विसर्जन आयु. उत्सर्ज, त्याग या स्रवण उदा. मलमूत्र का विसर्जन।